।। ऊँ भूर्भुवः स्वः।।

अखिल विश्व गायत्री परिवार, शान्तिकुन्ज, हरिद्वार

बाल संस्कार शाला

अपने बालकों को चरित्रवान, सुसंस्कृत नागरिक बनायें

संस्कार शाला में प्रवेश दिलायें

स्थान. . . . . .प्रारम्भ दिनांक. . . . .

समय. . . . .

आत्मीय बहिनों / भाईयों,

आज प्रत्येक माता–पिता यह चाहते हैं कि उनके बच्चे न केवल स्कूल शिक्षा में ही अग्रणी हों अपितु अन्य कलाओं, जैसे खेलकूद, वक्तृत्व कला व अन्य सामाजिक सांस्कृतिक गतिविधियों में भी प्रवीण हों व अपनी गौरवशाली परम्पराओं व संस्कृति का भी ज्ञान रखें। विद्यालय में शिक्षक एवं प्रधानाचार्य भी चाहते हैं कि विद्यार्थी परीक्षा में अच्छे परिणाम लायें एवं हर भाँति उनकी संस्था का गौरव बढायें।

किंतु दुर्भाग्य की बात है कि आज पाश्चात्य भोगवादी संस्कृति के अंधानुकरण के दौर में विदेशी टी. वी. चैनलों की भरमार, दुर्व्यसनों, अशुद्ध खान–पान आदि की मार से वातावरण इतना दूषित हो गया है कि बच्चों को न तो विद्यालय में और न ही घर में वांछित संस्कार, नैतिक शिक्षण और प्रतिभा परिष्कार का अवसर मिल पाता है। सभी ओर भटकाव का भय बना रहता है।

युग ऋषि पं0 श्रीराम शर्मा आचार्य के सूक्ष्म संरक्षण में गायत्री परिवार द्वारा व्यापक स्तर पर बाल संस्कार शाला केन्द्र चलाये जा रहे हैं जिनमें बच्चों को सुसंस्कृत बनाने हेतु विभिन्न उपायों से शिक्षण दिया जाता हैं। अभिभावकों व गुरुजनों का आदर व आज्ञापालन, प्राणायाम, योगासन, ध्यान, स्मरण शक्ति बढ़ाने के उपाय, बालनीति की कथायें, पर्व महिमा, देशभक्तों, संतों, महापुरुषों के दिव्य जीवन चरित्र, खेल प्रतियोगिताओं आदि के द्वारा बच्चों की सुप्त शारिरिक एवं मानसिक क्षमताओं एवं संवेदनाओं को जागृत कर उन्हें सभ्य एवं सच्चरित्र नागरिक बनाने का प्रयास किया जाता है।

आपसे अनुरोध है कि अपने क्षेत्र में उपरोक्त स्थान पर संचालित की जा रही बाल संस्कार शाला केंन्द्र में अपने 6 से 13 वर्ष तक के बच्चों को निःशुल्क प्रवेश दिलवाकर इस स्वर्णिम अवसर का लाभ उठायें एवं हमारी देश की भावी पीढ़ी का निर्माण सुनिश्चित करें।

हमारी आपसे अपेक्षायें–

1. **बालक को समय पर संस्कार केन्द्र भेजना**
2. **बालक को सिखाये गये शिक्षण को घर में अभ्यास हेतु प्रेरित करना**
3. **बालक के लिये घर में आवश्यक वातावरण निर्माण करना**

धन्यवाद। आयोजक, गायत्री परिवार,. . . . .

कृपया इसे काटकर कार्यालय रिकॉर्ड हेतु रखें

मैं गायत्री परिवार द्वारा संचालित बाल संस्कार शाला केन्द्र में अपने पुत्र / पुत्री...को जिसकी जन्म तिथि..आयु.............वर्ष एवं पता.. है को प्रवेश दिलाने को तत्पर हूँ। मैं उपरोक्त केन्द्र के अनुशासनों का स्वयं पालन करूँगा / करूँगी एवं मेरे बच्चे को निष्ठापूर्वक सहयोग करूँगा / करूँगी।

अभिभावक का नाम...पूरा पता..

संपर्क दूरभाष क्रमांक..

दिनांक

हस्ताक्षर